मध्य क्षेत्र की डायरी

केसीसी किस्त के 41 .94 लाख कर्मचारियों ने हड़पे, पुलिस ने 3 पर किया केस दर्ज

भोपाल. ईटखेड़ी इलाके में सहकारी समिति के कर्मचारियों ने किसान क्रेडिट कार्ड की हुई वसूली की रकम करीब 41.94 लाख रुपए हड़प ली. वारदात को समिति के तीन कर्मचारियों ने अंजाम दिया है. पुलिस ने इस मामले में तीनों कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पीड़ित ने पुलिस को लिखित में आवेदन देते बताया कि समिति में तीन कर्मचारी हैं. यह तीनों कर्मचारी किसानों से लोन की किस्त वसूली का काम देखते हैं. इन तीनों आरोपियों ने किसानों से करीब 41.94 लाख रुपए की वसूली की थी. यह रकम तीनों आरोपियों ने सोसाइटी में जमा नहीं करते हुए खुद हड़प ली है. इस संबंध में समिति कई बार कर्मचारियों को नोटिस देकर रकम जमा करने की बात कह चुकी थी, लेकिन आरोपियों ने पैसे जमा नहीं किए. प्रशासक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की. पुलिस का कहना है कि अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है. अब उनके पकड़े जाने के बाद ही आरोपियों से हड़पी हुई रकम को बरामद करने की कार्रवाई की जाएगी. अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसने कितने किसानों की रकम हड़पी है. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

बोर्ड ऑफिस के सामने तीन दुकानों के ताले टूटे

भोपाल. राजधानी अपराधियों का अड्डा बनती जा रही है. हर रोज मोबाइल स्नैचिंग होती है. चेन स्नेचिंग होती है, लूट और चौथ वसूली के मामले सामने आने लगे हैं. अपराधियों की गैंग में 100 से ज्यादा सदस्यों की सूचना मिल रही है और अब चोर गिरोह भी सक्रिय हो गया. बोर्ड ऑफिस चौराहे पर 24×7 पुलिस होती है लेकिन फिर भी सामने वाली लाइन की तीन दुकानों की ताले टूट गए. भोपाल के बोर्ड ऑफिस के सामने स्थित इंडियन कॉफी हाउस गुरुवार रात को हर रोज की तरह इंडियन कॉफी हाउस रात 11 बजे बंद हुआ था. सुबह करीब 9 बजे कर्मचारी रेस्टोरेंट को खोलने पहुंचे तो लॉक टूटा मिला. अंदर चेक करने पर गल्ले में रखे साठ हजार रुपए गायब मिले, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई. वहीं, रेस्टोरेंट के पड़ोस में स्थित दो अन्य दुकानों के भी बदमाशों ने ताले चटका दिए. पुलिस को किसी बाहरी गैंग पर चोरी का संदेह है. आरोपियों की पहचान के लिए पुलिस घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है. पुलिस को किस पर शक है और सीसीटीवी कैमरे में क्या रिकॉर्ड हुआ है, यह तो बाद में पता चल जाएगा, लेकिन आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि बोर्ड ऑफिस चौराहे पर पुलिस चौकी के सामने, दुकानों की चोरी कैसे हो गई. क्या भोपाल की पुलिस पूरे देश में बदनाम हो गई है जो बाहर के अपराधी भोपाल में चोरी करने आने लग गए हैं. यह अपने आप में बड़ी चिंता की बात है.

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक मोर्चा सक्रिय

भोपाल, 03 अप्रैल. टीईटी अनिवार्यता के आदेश के खिलाफ शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर आंदोलन का ऐलान कर दिया है. अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा का गठन करते हुए 8 अप्रैल को लोक शिक्षण संचालनालय मुख्यालय पर प्रदर्शन और 11 अप्रैल को जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है. शिक्षकों का आरोप है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के नाम पर जारी आदेश से हजारों पुराने शिक्षकों की नौकरी खतरे में पड़ गई है. संगठनों ने सरकार से टीईटी आदेश निरस्त करने और सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग उठाई है. शिक्षकने बताया कि भोपाल में विभिन्न शिक्षक संगठनों के जिलाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संयुक्त मोर्चा शाखा का गठन किया गया. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 8 अप्रैल को राजधानी में जिलास्तरीय प्रदर्शन कर लोक शिक्षण संचालनालय मुख्यालय पर ज्ञापन सौंपा जाएगा.

शुद्ध लापरवाही से 'अशुद्ध' सप्लाई!

जलकार्य विभाग में कर्मचारियों की कमी से बढ़ी परेशानी, घरों में पहुंच रहा गंदा पानी

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 03 अप्रैल. राजधानी की जनता को गुणवत्ताहीन सप्लाई की जा रही है, जबकि नगर निगम ने पानी की शुद्ध सप्लाई के लिए एक दर्जन से अधिक फिल्टर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं.

यहां पानी अशुद्धता के आधार पर केमिकल मिलाया जाता है, उसके बाद पानी की सप्लाई होती है. यह सब तीन साल पहले की बात है, जब इन फिल्टर प्लांटों को निगम के की देख रेख में होता था और इन पर निगम के कर्मचारी ही कार्य करते थे. इन फिल्टर प्लांटों पर तीन पाली में कर्मचारियों से कार्य लिया जाता था. एक पाली में लगभग

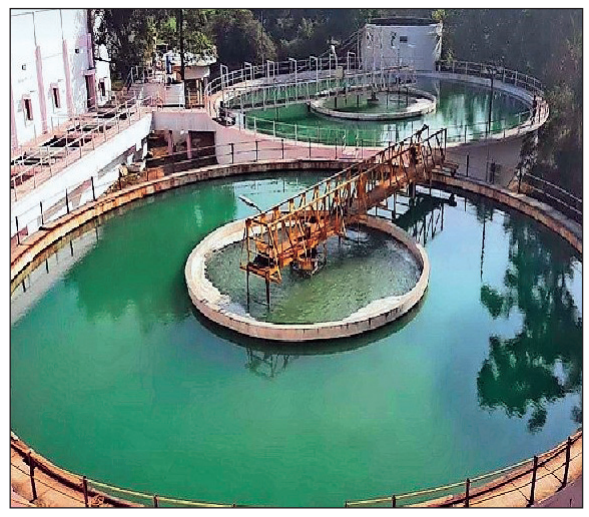

चार कर्मचारी कार्य करते थे. इस तरह एक प्लांट पर 12 कर्मचारी सेवाएं देते थे, लेकिन नगर निगम से जलकार्य शाखा से इन प्लांटों पर पदस्थ कर्मचारी धीरे धीरे सेवानिवृत्त होते गए और नई भर्ती निगम ने की नहीं. तीन साल पहले प्लांट पर कार्यरत सभी कर्मचारी सेवानिवृत्त हो गए, उसके बाद कर्मचारियों का हवाला देते हुए फिल्टर प्लांटों को ठेके पर दे दिया गया. अब सभी प्लांट ठेके पर हैं.

12 की जगह चार कर्मचारियों से लिया जा रहा है कार्य

नगर निगम ने फिल्टर प्लांटों को ठेके पर दे दिया गया, जो अब जहां निगम इन प्लांटों पर 100 से अधिक कर्मचारियों से कार्य ले रहे थे. वहीं अब निजी हाथों में होने पर 20 से 25 कर्मचारियों से कार्य कराया जा रहा है, जिसमें रात्रि में तो इन प्लांटों पर पदस्थ कर्मचारी सोते रहते हैं, जिससे पानी में केमिकल मिलाने की मात्रा और विश्वसनीयता में कमी होरही है, जिसका उदाहरण नगर निगम ने तालाब के पानी की जांच में ई कोलाई बैक्टीरिया पाया गया था. तालाब के पानी को साधारण तौर पर सप्लाई से पहले फिल्टर प्लांट पर एलम, ब्लीचिंग पाउडर, तरल क्लोरीन को मिलाया जाता है, जिससे शुद्ध पानी की सप्लाई होती है.गर्मियों में तालाब का जलस्तर धीरे धीरे कम होता जाता है तो उसी प्रकार पानी में गंदगी भी बढ़ती जाती है, जब ज्यादा गंदा पानी पंप हाउस पर आने लगता है तो एलम, ब्लीचिंग पाऊडर, तरल क्लोरीन से काम नहीं चलता है, उस स्थिति में हाइपो केमिकल पदार्थ को पानी में मिलाया जाता है, जो पानी की गंदगी को साफ करने में कारगर साबित होता है. जबकि शहर में लगभग एक दर्जन पंप हाउस हैं वहीं जिनके द्वारा एक दर्जन फिल्टर प्लांट पर पानी की सप्लाई होती है.

> बड़े प्लांट ठेके पर दिए गए हैं यह बहुत पहले से चल रहे हैं. कर्मचारियों की कमी और भर्ती से संबंधित जानकारी आप निगम आयुक्त पूछें.
> **– मालती राय, महापौर, नगर निगम भोपाल**
>
> कोई भी निजी संस्था किसी भी तरीके से ना तो सही सेवा देती है. केवल उसका लाभ कमाना उद्देश्य होता है और कर्मचारियों का शोषण करना. कोई भी दुर्घटना होने पर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है, जिस तरह से इंदौर में दूषित पानी की घटना में हुआ. नागरिक टैक्स से भी पिसता है और जिंदगी से भी.
> **– विभा पटेल, पूर्व महापौर, नगर निगम भोपाल**

शिफ्टिंग शुरू हुए दो माह पूरे, सुविधाएं अधूरीं

फैक्ट फाइल

- पंखे, वाटर कूलर, एससी के अभाव में काम कर रहे कर्मचारी
- विभागों की शिफ्टिंग में जल्दबाजी से बढ़ी परेशानी

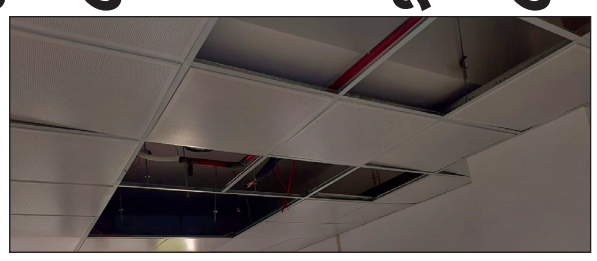

ह्यनवभारत संवाददाता

भोपाल, 03 अप्रैल. राजधानी में नगर निगम का नवीन मुख्यालय में सुविधाओं का अभाव है. इस भवन में लगभग दो माह से आधे अधूरे कार्य होने पर ही नगर निगम की विभागीय शाखा शिफ्टिंग शुरू कर दी गई थी.

वैसे तो इस भवन को पूरा वातानुकूलित बताया जाता है, लेकिन हकीकत कुछ और ही है. यहां पर बहुत सारे कार्य अधूरे हैं, लेकिन सबसे प्रमुख कार्यों में खिड़की पर पर्दे, कमरों में एसी और बाहर पंखे लगने जैसे महत्पपूर्ण कार्य अधूरे हैं. और तो और पानी के लिए वाटर कूलर की व्यवस्था नहीं की गई है. कई जगह तो फर्नीचर का कार्य भी जारी है. इंटरनेट नहीं होने से विभाग के कई कार्य बाधित हो रहे हैं. नगर निगम के अधिकतर विभाग के अधिकारी और कर्मचारी नवीन मुख्यालय भवन में बैठने लगे हैं, उनके केबिन में अभी एसी ही नहीं लगे हैं. वहीं, छत में सीलिंग ही अधूरी पड़ी है. अभी गर्मी का मौसम चल रहा है. एसी गर्मी में बिना एसी कूलर के बैठना पड़ रहा है. बताया जाता है कि वर्षों से वाटर कूलर की व्यवस्था इलेक्ट्रिक शाखा के द्वारा किया जाता रहा है, क्योंकि वह बिजली से चलने वाली मशीन है, उसमें पानी की व्यवस्था जलकार्य शाखा के द्वारा किया जाता रहा है. लेकिन इस बार निगम ने वाटर कूलर को फिट करने और उसमें पानी की देखरेख का कार्य भी कुछ दिन पहले ही जलकार्य शाखा को सौंप दिया है. इन्हें लगाने के लिए अभी आठ से पंद्रह दिन लगेंगे.

> यह एसी वाटर कूलर, पंखे लगाने का काम ठेकेदार का नहीं है, नगर निगम के विद्युत शाखा का है वह कर रही है. वहीं पर्दे लगाने का कार्य चल रहा है.
> **– प्रमोद मालवीय,** एग्जीक्यूटिव इंजीनियर व नवीन मुख्यालय भवन प्रभारी

70 प्रतिशत विभाग हुए शिफ्ट

नगर निगम के नवीन मुख्यालय में शिफ्ट का कार्य लगभग दो महीने से जारी है. इस दौरान जलकार्य एवं सीवेज विभाग, यातायात एवं परिवहन विभाग, जनकार्य एवं उद्यान विभाग, वित्त एवं लेखा विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग, राजस्व विभाग, भवन अनुज्ञा, प्लानिंग, स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट शाखा की फाइलें पहुंच चुकी हैं साथ ही कर्मचारी भी कार्य करने लगे हैं. इस तरह से अभी तक 70 प्रतिशत विभाग शिफ्ट हो चुके हैं. वित्त सहित अन्य विभागों की शिफ्टिंग का कार्य चालू है जो कुछ दिनों में पूरा हो जाएगा.

आंधी-तूफान से गिरे पेड़ कई इलाकों में बिजली बंद

भोपाल, 03 अप्रैल. शहर में गुरुवार देर रात अचानक मौसम बदल गया और आंधी ने कहर ढहाया. आंधी के कारण श्यामला हिल्स बोर्ड क्लब इलाके सहित कई जगहों पर बड़े पेड़ गिर गए.

पेड़ गिरने से बिजली के तार भी टूट गए, जिससे शहर के कई इलाकों में देर रात तक बिजली बंद रही. इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा जवाहर चौक, 10 नंबर और हबीबगंज इलाके में भी तेज हवा के कारण कई होर्डिंग और पेड़ गिर गए, जिससे वहां काफी नुकसान हुआ. सूचना मिलते ही बिजली कंपनी और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं और पेड़ों को हटाने व बिजली सुधार का काम शुरू किया.

जनगणना की बैठक में शामिल नहीं कर्मचारी

06 अप्रैल तक मांगा स्पष्टीकरण

- लापरवाह कर्मियों को कारण बताओ नोटिस

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 03 अप्रैल. नगर निगम में जनगणना के कार्य को लेकर मकानों का चिन्हांकन नामांकन का कार्य जारी है.

इसको लेकर नगर निगम में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें निगम के 32 कर्मचारी शामिल ही नहीं हुए, जबकि जनगणना का कार्य निगम के कार्यों से भी महत्वपूर्ण हैं, जिसमें इन सभी कर्मचारियों का उपस्थित ना होना घोर लापरवाही है. इसमें शामिल ना होने वालों में 13 सहायक यंत्रियों, 16 उपयंत्रियों एवं 02 सुपरवाइजर व 01 समयपाल शामिल हैं. सभी को निगम ने कारण बताओ नोटिस जारी कर सोमवार 6 अप्रैल तक स्पष्टीकरण मांगा है. स्पष्टिकरण ना देने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी.

> निगम प्रशासन द्वारा सहायक यंत्रीगण आदित्य शर्मा, गौरव प्रजापति, केसी गुप्ता, अजय सोलंकी, शुभम वर्मा, निशांत तिवारी, एसबी सिंह, चंदन पिपलाद, ज्योति मानकेले, पवन मेहरा, अभिषेक मालवीय, अंकुर रायजादा, अमन सिंह, उपयंत्रीगण संजय बराड़िया, अमर सिंह यादव, आकृति पटेल, आदित्य खरे, अनिता मेहर, शुभकामना ठाकुर, सत्यम सिंह, अमित कुमार दुबे, कीर्ति तोमर, अजय राजावत, अमित दुबे, जोगेन्दर सिंह, रूपांकन वर्मा, जितेन्द्र गुप्ता, शीतल विश्वकर्मा, सुपरवाइजर निवास द्विवेदी व इफ्तिखार खान तथा समयपाल अंशुल पांडे को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं.

माशिमं ने नई प्रवेश नीति की जारी

भोपाल, 03 अप्रैल. मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए नौवीं से 12वीं तक की नई प्रवेश नीति जारी कर दी है. इसके तहत 10वीं और 12वीं के परीक्षा फार्म 15 मई से भरे जाएंगे. इस बार मंडल ने 10वीं व 12वीं के परीक्षा शुल्क, नामांकन सहित फीस और अन्य शुल्कों में 25 फीसद से लेकर 80 फीसद तक की बढ़ोतरी की है, जिससे विद्यार्थियों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा. नई व्यवस्था के अनुसार नियमित विद्यार्थियों को अब 1200 रुपये की जगह 1500 रुपये परीक्षा शुल्क देना होगा, जबकि स्वाध्यायी विद्यार्थियों के लिए शुल्क 1600 रुपये निर्धारित किया गया है. नौवीं कक्षा में नामांकन शुल्क भी 350 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया है.

लालघाटी गैस एजेंसी पर लोगों ने किया हंगामा

नवभारत संवाददाता

राजधानी में रसोई गैस सिलेंडर के लिए शुक्रवार को अयोध्या नगर स्थित सैनी गैस एजेंसी पर लोगों की खासी भीड़ देखने को मिली. सिलेंडर न मिलने से परेशान कई लोग एजेंसी कर्मचारियों से बहस करते दिखे. भीड़ को देखकर लगता है कि लोगों को होम डिलीवरी पर भरोसा ही नहीं है.

लोग बुकिंग के बाद सीधे एजेंसी पहुंचते है और वहां से पर्ची कटाकर सिलेंडर के लिए गोदाम पहुंच रहे हैं, उसका कारण है कि बुकिंग होने के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे. वहीं जनता में ओटीपी नहीं मिलने के मामले अधिक सामने आ रहे हैं. वहीं जनता आशंका जता रही है कि कही सिलेंडर ब्लैक तो किये जा रहे हैं, वहीं एजेंसी कर्मचारियों ने इसे तकनीकी दिक्कत बताया. वहीं रत्नागिरी से गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी आई मुन्नी बी का कहना है चार दिन बाद गैस सिलेंडर की पर्ची कटेगी. इसके बाद सिलेंडर कब मिलेगा यह पता नहीं. अब समस्या है यह है कि गैस सिलेंडर खत्म होने के बाद लकड़ी से खाना बनाना पड़ रहा है. लकड़ी भी बड़ी मशक्कत से मिल रही है. इसके अलावा एजेंसी में पहुंचे कई लोगों की यह भी शिकायत थी कि एजेंसी कर्मचारियों को कहना है कि सिलेंडर नहीं मिला तो बुकिंग कैंसिल कर दोबारा बुकिंग करें.

शहर के लालघाटी स्थित प्रियंका गैस एजेंसी पर शुक्रवार को कई लोग सिलेंडर लेने पहुंचे थे. इन्होंने 4 से 5 दिन पहले बुकिंग कराई थी उनको एजेंसी कर्मचारियों ने बताया कि सिलेंडर डिलीवर हो गया. जबकि सिलेंडर उन लोगों के घर पहुंचा ही नहीं था. इससे नाराज लोगों ने हंगामा कर दिया. काफी देर तक हंगामा चलता रहा. एक उपभोक्ता ने बताया यह मामला सीधे सिलेंडर चोरी का है. 28 मार्च को बुकिंग कराई थी, लेकिन यह 3 अप्रैल की सुबह तक भी सप्लाई नहीं हुआ. इस पर एजेंसी पर पहुंचे और जानकारी ली. यहां से पता चला कि सिलेंडर तो पहले ही घर पर डिलीवर हो गया, जबकि सच्चाई यह है कि होम डिलीवरी नहीं दी गई.

> **कलेक्टर ने गैस सिलेंडर की कालाबाजारी को रोकने आदेश किए जारी**
>
> **भोपाल.** राजधानी में रसोई गैस सिलेंडर कालाबाजारी की शिकायतें लगातार मिल रही थी. कलेक्टर कोशलेंद्र विक्रम सिंह ने आदेश जारी किया है, जिसमें जिले में विशेष जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं. उक्त निर्देशों के पालन में आज से जिले के समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं तहसीलदारों अपने-अपने क्षेत्र में एजेंसियों पपर जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने करेंगे.

> **10 दिन तक का करना पड़ रहा है इंतजार**
>
> राजधानी में गैस सिलेंडर को लेकर लोगों को बुकिंग, डिलीवरी और ओटीपी जैसी दिक्कतों का अभी सामना करना पड़ रहा है, जबकि एजेंसियां सप्लाई सामान्य होने का दावा कर रही हैं. ऐसे में हालात और दावों के बीच बड़ा अंतर नजर आ रहा है. एलपीजी सिलेंडर को लेकर परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं और लोगों को 10 से 15 दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है.

टकराव सीधी भर्ती विवाद को लेकर डॉक्टरों का विरोध-प्रदर्शन जारी

जीएमसी में डॉक्टरों ने 1 घंटे तक स्थगित किया काम

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 03 अप्रैल. गांधी मेडिकल कॉलेज में सीधी भर्ती के फैसले ने डॉक्टरों और प्रशासन के बीच टकराव खड़ा कर दिया है.

अपने अधिकारों और वर्षों की सेवा को बचाने के लिए डॉक्टर अब खुलकर विरोध में उतर आए हैं और चेतावनी दे रहे हैं कि बात नहीं मानी गई तो मरीज सेवाएं भी प्रभावित हो सकती हैं. बता दें यह पूरा मामला डीन कार्यालय द्वारा पदोन्नति के पदों पर आंतरिक सीधी भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद विरोध का रूप लेता जा रहा है.

लगातार दूसरे दिन बड़ी संख्या में डॉक्टरों ने एक घंटे कामकाज बंद कर हमीदिया अस्पताल परिसर में आंदोलन किया. जिसमें वरिष्ठ से लेकर कनिष्ठ तक सभी डॉक्टर शामिल रहे. वहीं मामला अब शासन स्तर तक पहुंच चुका है. प्रतिनिधिमंडल ने उच्च अधिकारियों से मुलाकात कर साफ कहा है कि पदोन्नति केवल निर्धारित प्रक्रिया से ही होनी चाहिए.

> **क्या है डॉक्टरों की चिंता?**
>
> चिकित्सकों का कहना है कि सीधी भर्ती लागू होने से उनकी सेवा निरंतरता टूट जाएगी. वेतन वृद्धि, पेंशन और अन्य लाभों पर असर पड़ेगा. लंबे अनुभव के बावजूद उन्हें फिर से शुरुआत करनी पड़ेगी, जिससे उनका पूरा करियर प्रभावित हो सकता है. डॉक्टरों ने अपने पक्ष में न्यायालय के फैसलों का भी हवाला दिया है. उनका कहना है कि पहले भी इस तरह की भर्तियों को अदालतों ने निरस्त किया है. जिसके बाद डॉक्टरों ने स्पष्ट किया है कि यदि आदेश वापस नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज होगा.
>
> **इनका कहना है**
>
> उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन के साथ मामले का संज्ञान लिया जा रहा है. जो भी आवश्यक होगा, उस आधार पर निर्णय लिया जाएगा.
> **– कविता एन सिंह, डीन, जीएमसी**

प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच घिसटा युवक

राजधानी में दिल दहला देना वाला वीडियो वायरल

भोपाल, 03 अप्रैल. भोपाल रेलवे स्टेशन पर एक दिल दहला देना वाला हादसा हो गया. यहां एक युवक चलती ट्रेन को पकड़ने के चक्कर में 5 सेकंड में 4-5 बार ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच घिसटता हुआ ट्रेन की चपेट में आ गया.

पास खड़े अन्य मुसाफिरों ने युवक को बचाने का प्रयास किया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी. जब ट्रेन युवक के ऊपर से गुजर गई तो घायल अवस्था में उसे पटरी से उठाकर हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया. जहां उसकी हालत बहुत गंभीर बनी हुई है.

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक हादसे के बाद युवक का एक हाथ टूट चुका था और सिर में गहरी चोट थी, लेकिन इसके बावजूद वह सांस ले रहा था और दर्द से कराह रहा था.

सूत्रों की मानें तो युवक की स्थिति काफी नाजुक है और वह बयान देने की स्थिति में भी नहीं है. घटना 31 मार्च की रात में हुई थी. शुक्रवार को घटना से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, वीडियो देखने के बाद लोगों के रोंगटे खड़े हो रहे हैं. फिलहाल जीआरपी पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई हैं.

सिर्फ 14 सेकंड में हुई युवक के साथ घटना

31 मार्च रात करीब 11.30 बजे हुई घटना से जुड़ा हुआ. 14 सेकंड का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. उसमें युवक भोपाल स्टेशन से इंदौर के लिए रवाना हुई भोपाल - इंदौर एक्सप्रेस ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करते हुए दिख रहा है. वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि ट्रेन प्लेटफार्म से गुजर रही है. उसी समय युवक ट्रेन पकड़ने के चक्कर में तेजी से ट्रेन की ओर भागते हुए आता है और चढ़ने की कोशिश करता है, लेकिन वह फिसल कर गिर पड़ता.